आरती श्री भैरव जी की

जय भैरव देवा प्रभु जय भैरव देवा,
जय काली और गौरादेवी करत हैं सेवा । जय....
तुम्हीं आप उद्धारक दुःख सिन्धु तारक,
भक्तों के सुख कारक, दीपक वसु धारक । जय...
वाहन श्वान विराजत कर त्रिशूल धारी,
महिमा अमित तुम्हारी जय जय भयहारी । जय...
तुम बिन देवा पूजन सफल नहीं होवे,
चतुर्वर्तिका दीपक दर्शक दुःख खोवे । जय...
तेल चटिक दधि मिश्रित माषाबली तेरी,
कृपा कीजिये भैरव,करिये नहीं देरी । जय...
पांव घुंघरु बाजत, डमरु डमकावत्,
बटुकनाथ बन बालक तन-मन हरषावत । जय...
बटुकनाथ की आरती जो कोई जन गावे,
कहे धरणीधर मन वांछित फल पावे । जय...

विवरण

जिनकी, माँ काली और गौरी देवी सेवा करतीं हैं ऐसे श्री भैरव देव की आरती है। आप हमारे जीवन का बेड़ा पार लगाने वाले हो एवं दुःखों का निवारण करने वाले हो तथा अपने भक्तों को सुख प्रदान करने वाले हो । अग्नि से भरे दीपक (खप्पर) को धारण करने वाले हो ।

आप बत्तक की सवारी पर विराजमान रहते हो तथा अपने हाथों में त्रिशूल धारण किये रहते हो । आप हमारे भय को हरने वाले हो तथा आपकी महिमा अनुपम है । आपके पूजा के बिना हमारी पूजा साकार नहीं हो पाती ।

चार बातियों से सुसज्जित दीपक आपके पास जलता रहता है, जिसको

देखने से हमारे दुखों का अन्त हो जाता है । गरम तेल एवं दधि से मिश्रित उड़द के व्यंजन आपको पसन्द है । हे भैरव देव आप बिलम्ब न करते हुए हम पर कृपा कीजिए।

आपके पैरों में घुंघरु बज रहें हैं, जिसकी ध्वनि अत्यन्त ही मधुर लग रही है तथा आपके हाथों के डमरु भी बजते हैं । आप बटुकनाथ भगवान छोटे बालक के रूप में सबके तन-मन में पुलकित करते रहते हैं । धरणीधर का कहना है कि
बटुकनाथ की आरती जो कोई भी गाता है, वह अपने मन के अनुसार फल भी पाता है ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.